रौ.जि.प्रशा.दर्ता नं.८६/०७७/७८

www.ebajjikanchaldainik.com
भाषा आयोगद्वारा सम्मानित

जि.हु.का.दर्ता नं. ०१/०७८/७९

# बज्जिकाञ्चल

BAJJIKANCHAL DAILY
विश्व बज्जिकाके पहिल दैनिक पत्रिका
दैनिक

वर्ष :५ अंक : २०२ /२०८२/१२/११ गते बुध | बज्जिकाञ्चल दैनिक | Wednesday 25 March 2026, मूल्य :रु. ५, पृष्ठः४

## बज्जिका भाषामे शपथलेबेला तिन जने माननीय टिपएले छथिन अपन नाम

आरके श्रीवास्तव,
रौतहट,१० गते चइत ।

बज्जिका भाषामे तिन जने माननीयजी शपथ लेबेवाला भेल छथिन ।

रौतहट आ सर्लाहीसे प्रतिनिधि सभामे निर्वाचित तिन जने माननीयजी अपना पद तथा गोपनीयताके शपथ बज्जिका भाषामे लेबेवाला भेल छथिन ।

रौतहट जिलासे माननीय रविन्द्र पटेल धिरज, राजेश कुमार चौधरी आ सर्लाहीसे नितिमा भण्डारी कार्की बज्जिका भाषामे शपथ लेबेवाला भेल छथिन ।

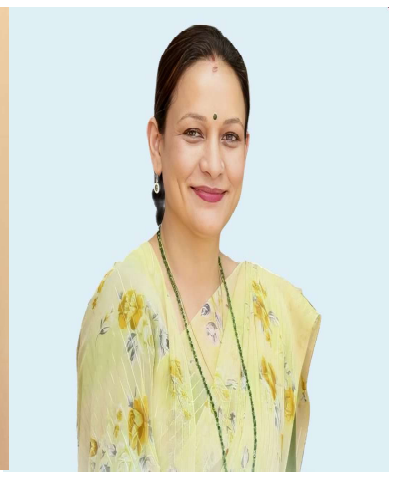

२०६४ सालमे पहिलबेर माननीय कृष्णाप्रसाद यादव बज्जिका भाषामे संसदमे शपथ लेले रहथिन। तबसे लगातार प्रतिनिधि सभामे बज्जिकाके सम्मान मिलते आरहल हए । एसे बज्जिकाभाषीमे उत्साह थपाएल हए।

## साहित्य सेवाके कर्ममे जुटू : कुशवाहा

बज्जिकाञ्चल संवाददाता,
सर्लाही,११ गते चइत ।

बज्जिका साहित्य समाज सर्लाहीके अध्यक्ष रामचन्द्र महतो कुशवाहा मातृभाषाके सेवामे कर्मसे जुटेला आह्वान कएले छत । विश्व कविता दिवसके अवसरपर सर्लाहीके गोडैता नगरपालिका ५ रामवनस्थित श्री सरस्वतीदेवी कुशवाहा सामुदायिक आधार भूत विद्यालयमे शनिवारके दिन आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रममे भावशिरोमणि कुशवाहा मातृभाषाके सेवा करेला सभीसे आग्रह कएले छत । कुशवाहाके अपन समाज, नहिराके कुत्तो प्यारा, पिया परदेश, घर परिवार आ कुल खन्दान नाटकके साथे सरस्वती खण्डकाव्य प्रकाशित भेल हए । शनिवार इहे कृतिके लोकार्पण करइत भावशिरोमणि कुशवाहा मातृभाषा बज्जिकामे साहित्य सिर्जना करेला उपस्थित लोगसे आग्रह कएले छत । कार्यक्रमके प्रमुख अतिथि गोडैता नगरपालिकाके नगर प्रमुख देवेन्द्र कुमार यादव कवि कुशवाहाके प्रशंसा करइत आगामी दिनमे गोडैता नगरपालिका भवनमे ही बज्जिका महोत्सव करेके सार्वजनिक घोषणा कएले छत । रौतहट, सर्लाही आ धनुषा जिलाके सहभागी उपस्थित रहल कार्यक्रममे भाषा तथा साहित्यसेवी सञ्जय साह मित्र, बिन्दा साहनी, शिवचन्द्र साह, विपिन बिहारी सिंह, किशुनदयाल श्रीकृष्ण, मनमोहन सिंह मनोहर, अमरिश भगत, चन्द्रशेखर रस्तोगी, पृथ्वीनारायण महतो, मुकेश मिश्र, अमरियादेवी ठाकुर, शैलियादेवी ठाकुर, चन्द्रकिशोर गुप्ता लगायतके लोग कविता आ मन्तव्य व्यक्त करइत साहित्यकार कुशवाहाके सभी कृतिके सफलताके शुभकामना देले छत ।

## चैती छठ मनाएलगेल हए हर गाओमे,लोकजीवनपर हर साल बढते जारहल हए हस्तक्षेप

प्रदिप दास,
रौतहट,११ गते चइत ।

बज्जिकांचलके सबसे लमहर पबनीके रुपमे रहल छठके चैती संस्करण भव्यतापूर्वक हर घाटपर मनाएल जारहल हए । चैत महिनाके इजोरिया पखके षष्ठी तिथिपर चैती छठ मनाएल जाइअ । एसे पहिले दुतियाके दिनसे चुल्ही बनाबेके, तृतियाके आतर जाएके, चौठीके दिन नहा खाएके आ पाचमीके दिन खरना कएल जाचुकल हए। मंगर षष्ठीके दिन साझियाघाटे हए । सोमारके साझमे खरना कएलाके बाद सम्पूर्ण व्रतालु पूर्ण रुपमे निराहार रहके मंगरके साझमे डुबइत सुरुजके अरक देबेके काम कएले छथिन। अपना नजिदकके नदी चाहे पोखरके घाटके सजाके श्रीसप्ता बनाबेके छठीमाईके पूजा होरहल हए । अत्यन्त श्रद्धा आ भक्तिके साथे आस्थासे सारा हिन्दू लोकआस्थाके महापर्व छठके मनारहल हए । आइ बुधके सबेरे भोरवा घाटे उगरहल सुरुजके अर्घ देके इ पबनी समापन भेल हए ।

हर साल चैती छठ करेवाला व्रतालु आ श्रद्धालुके संख्यामे व्यापक वृद्धि होरहल हए । चैती छठ करेवाला व्रतालुके संख्यामे बितल एक दशकमे बहुतेक वृद्धि भेल हए । कुछ व्रतालु कात्तिक आ चैत दुनु महिनाके छठ करइछथिन । अइसही कुछ व्रतालु केवल कात्तिकके छठ ही करइछथिन । कुछ व्रतालु चैतके मात्रे छठ कर

इछथिन। चैतके व्रत करेवाला पबनैतिनके संख्या हर साल बढइत जारहल हए । चैती छठमे लोगके बढइत श्रद्धा आ पबनी करेवालाके बढइत संख्याके देखके आगामी कुछ बरसमे कात्तिक आ चैतके छठ एकेलेखिन होखेके विश्वास कएल जारहल हए । चैती छठसे भी जनजीवनके सामान्य काम प्रभावित होरहल देखलगेल हए । लोकजीवनमे चैती छठके बढइत हस्तक्षेपके देखइत समाजके ओरसे अब चैती छठके दिन भी सार्वजनिक बिदाके माग उठरहल हए

हावाहुरी चलेको बेला अपनाइने सावधानी

१. घरको झ्याल र ढोका बन्द गर्ने ।
२. आगोका स्रोतहरु ढोका बन्द गर्ने ।
३. मोटरसाइकल/ गाडी चलाइरहेको भए रोकेर सुरक्षित स्थानमा बस्ने ।
४. भिडभाडमा भए नआतिने, भागदौड नगर्ने, विस्तारै सुरक्षित स्थानमा लाग्ने ।
५. खुला स्थानमा हुँदा सुरक्षित स्थानमा बस्ने ।
६. कतै सुरक्षित ओत नभेटे थुचुक्क बसेर दुबै हातले टाउको छोपी घोप्टो पर्ने ।
७. कमजोर संरचना, अग्ला रुख, टेलीफोन र बिजुलीको खम्बा तथा तार मुन्तिर नबस्ने ।
६. बिजुलीको तार लत्रिएको छ भने नछुने ।
७. बिजुलीको तार ठोक्किएर सर्ट सर्किट हुन सक्ने भएकोले विधुतीय उपकरण नचलाउने ।

फतुवा बिजयपुर नगरपालिका नगर कार्यपालिकाको
कार्यालय लक्ष्मनिया दो. रौतहट

## बज्जिकाञ्चल दैनिक पत्रिका

## खोज खोजके पढू

## नेपालके दू सहित दश नाटककारके कएलजाई सम्मानित

बज्जिकाञ्चल संवाददाता,
रौतहट,११ गते चइत ।

भारत, बिहारके सीतामढीमे दश नाटककारके सम्मानित करेवाला हए । अन्तर्राष्ट्रिय सीतामढी काव्य महोत्सवके अवसरपर नवभारती सेवा न्यास सीतामढीद्वारा दश नाटककार सम्मानित होएवाला भेल खबर हए । नाटकके माध्यमसे समाजके जागरुक बनाबेमे योगदान देले नाटककार लोगके सम्मानित करेके आयोजक जनएले हए ।सम्मानित होएवालामे भारत आ नेपालके प्रतिष्ठित नाटककार रहल आयोजक संस्था आ कार्यक्रम संयोजिका प्रसिद्ध साहित्यकार प्रीति सुमन जानकारी करएले छथिन । सम्मानित होएवाला नाटककारमे मोतिहारीसे प्रसाद रत्नेश्वर, दरभंगासे शम्भु अगेही, हाजीपुरसे अखौरी चन्द्रशेखर, सीतामढी पुपरीसे रामबाबु नीरव, मुजफरपुरसे कुमार विरल, बैरगनिया सीतामढीसे डा. प्रमोद प्रियदर्शी आ राजेन्द्र साहनी तथा हाजीपुरसे डा. प्रतिभा परासर सम्मानित होएवाला भेल खबर हए । अइसही कार्यक्रममे नेपालसे सर्लाहीके रामचन्द्र महतो कुशवाहा आ रौतहटसे संजय साह मित्र भी अन्तर्राष्ट्रिय काव्य महोत्सवमे नाटककारके रुपमे सम्मानित होएवाला भेल खबर प्राप्त भेल हए । कुशवाहाके करिब आधा दर्जन नाटक प्रकाशित हए त मित्रके नेपाली, हिन्दी आ बज्जिका भाषामे अभिनय, लेखन तथा निर्देशनमे नाटक मंचन होखेके साथे एकांकी संग्रह प्रकाशित हए ।

## बज्जिकाञ्चल दैनिक प्रकाशन समूह

प्रकाशक : बज्जिकान्चल मिडिया प्रा.लि.
संचालक : राजु कुमार श्रीवास्तव ( आरके श्रीवास्तव )
सम्पादक : दिनेश कुमार श्रीवास्तव
सह सम्पादक : अर्जुन कुमार यादव
गौर संवाददाता : सतेन्द्र सिंह
चन्द्रपुर संवाददाता : मुकेश कुमार साह
कम्प्युटर अपरेटर : अर्जुन कुमार यादव
प्रधान कार्यालय : कटहरिया- ८ पिप्रा पोखरिया रौतहट
मुद्रक : नेपाल प्रेस एण्ड पब्लिकेशन गरुडा रौतहट
बिज्ञापनके लेल मो. : ९८५५०४१६३१/ ९८१७१६१८३१
कार्यालय सम्पर्क : ९८५५०४१६३१/ ९८१७१६१८३१
इमेल : *bajjikanchaldainik@gmail.com*
वेभसाईट : *www.ebajjikanchaldainik .com*


## सम्पादकीय---

### चैती छठ आस्थाके पर्व

नेपाल आ भारतीय उपमहाद्वीपमे विशेष रूपमे मनावल जाएबाला चैती छठ पर्व केवल धार्मिक आस्थाके प्रतीक मात्र नकी, इ हमनीके सांस्कृतिक पहिचान, सामाजिक एकता आ अनुशासनके अनुपम उदाहरण भि हए। प्रत्येक वर्ष चैत महिनामे मनावल जाएबाला इ पर्वसे प्रकृति आ मानवबीचके गहरा सम्बन्धके उजागर करइअ। सूर्य देव आ छठी माताके आराधना करइत मनावल जाएबाला छठ पर्व शुद्धता, संयम आ श्रद्धाके सन्देश देइअ। चैती छठ विशेषत: मधेश क्षेत्रके जनताके जीवनसंघे गहिरा रूपमे जुटल हए। चार दिनतक चलेबाला एइ पर्वमे व्रतालुसब कडा नियमसब पालना करइत निराहार रहेके सफा(सुगघर वातावरणमे पूजा करेके आ डुबरहल उगरहल सूर्यके अर्घ्य देबेबाला परम्परा रहल हए। एसे केवल धार्मिक विश्वासके बरिआर बनाबेके मात्र नकी, आत्मसंयम आ मानसिक शुद्धताके अभ्यास भि करवइअ। लेकिन पछिलका वर्षसबमे एइ पर्वके मौलिकता कुछ हदतक प्रभावित भेल देखलगेल हए। आधुनिकता आ व्यस्त जीवनशैलीके कारण कतिपय जगह परम्परागत मूल्यसब ओझेलमे रेलागल हए। नदी, पोखरी आ जलाशयसबके प्रदूषण भि छठ पर्वके गरिमामे असर पररहल हए। अइस समस्यासब समाधान करेला स्थानीय सरकार, सरोकारवाला निकाय आ आम नागरिक सबैके साझा प्रयास आवश्यक हए। चैती छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहए, इ सामाजिक सद्भाव आ सहकार्यके भि पनि पर्व हए। एइ अवसरमे समाजके सभि वर्गके आदमीसब एकजुट होके घाट सफाइ, सजावट आ व्यवस्थापनमे सक्रिय होइअ। एसे सामूहिक भावना आ सामाजिक उत्तरदायित्वके मजबुत बनवइअ। अन्तत:, चैती छठ पर्वके एकर मौलिक स्वरूपमे बचाके राखे हमनी सभिके सचेत होइ आवश्यक हए। स्वच्छता, परम्पराके संरक्षण आ वातावरणीय सन्तुलनके ध्यानमे राखइत इ पर्व मनावनाइ आइके आवश्यकता हए। अइसे मात्र हमनी अपन सांस्कृतिक सम्पदाके भावी पुस्तातक सुरक्षित रूपमे हस्तान्तरण करसकम।

**बज्जिका बोलू**
**बज्जिका पढू**
**बज्जिका लिखू**
बज्जिकाञ्चल दैनिक द्वारा जनहितमे जारी संदेश

# बुद्ध महाकाव्य : आत्मबोधके अनुपम कृति

✍ अजय कुमार झा

बज्जिका भाषाके पुरोधा श्री संजय साह मित्रद्वारा लिखल बुद्ध महाकाव्य मूलत: आत्मानुभूति, साधना आ आध्यात्मिक जागरणके काव्यात्मक अभिव्यक्ति हए। ई रचना केवल काव्य(प्रस्तावना नहोके, विश्वके ज्योतिर्मय बनबेवाला एसियाके तारा सिद्धार्थ गौतम बुद्धके जीवनीपर लिखल महाकाव्य बुद्धके हए। सृजन(प्रक्रिया, प्रेरणा आ साधनाके आत्मस्वीकृति सेहो करइत लेखक अपन अंतर्मनके आलोक, साधना आ संघर्षके द्वारा दिन रात बुद्धेके जीवन चक्र, ज्ञानकुंड, कर्मयात्रा आ विचार मंथनमें डूबल छथ। एगो साधक लेखक लेल कोनो भी विषय वस्तुके चयन करनाइ नयां जीवनके प्रारम्भ करनाइ सरह होइय।

एई महाकाव्यके रचना कालखंडमे मित्रजी अनेकोबार बुद्धके आभा, सूक्ष्म उपस्थिति, वैचारिक उहापोहमे परलबेर एकाएक भाव प्रवाहमे सहजताके अनुभव कएले होइथिन। हम कहसकैछी कि एई महाकाव्यके शीर्षक चयनमे सिर्फ रचनकार ही सक्रिय नछथ। हुनका अंतराकाशमे विराजमान भगवान बुद्ध स्वयं अभिप्रेरित कएलथिन। एकतर्फी कोनो काम नहोइछई। शुभके ओर एक कदम हम चलबई त ईश्वर हमरा ओर हजार कदम अबई छथिन। प्रथम भागके मूलभाव स्वयं दीपक बनू अर्थात आत्मजागरण हए। लेखक बुद्धके जीवन(दर्शनसे प्रेरित होके आत्मबोधके महत्तापर बल देइत छथिन। कोरोना कालके वैश्विक सन्नाटा, भय आ अनिश्चितताके बीच जे आत्मप्रकाशके अनुभूति जागृत भेलइन्, ओहीसे महाकाव्य बुद्ध के जन्म भेल। रचनाके भावपक्ष अत्यन्त श्रद्धामय, समर्पित आ साधनामूलक हए। लेखक अपन कृतिके व्यक्तिगत उपलब्धि न, बल्कि ईश्वरीय प्रेरणा आ लोकमंगलके प्रयास मानैत छथिन। रचनामे बज्जिका भाषाके सहज, प्रवाहपूर्ण आ आत्मीय शैली प्रयुक्त हए। भाषा लोकधर्मी भेलाके कारण पाठकके निकटता आ आकर्षण बढावेमे सफल हए। ई्याउरे नेपाली लोकछन्दके प्रयोगसे काव्यपाठमे अलगे किसिमके मजा अबइहई। १५, १६ आ १७ अक्षरके छन्द संरचनासे महाकाव्य रचना, शिल्पगत प्रयोगशीलताके प्रमाणित करैछई।

रचनामे त्याग, साधना, समर्पण आ लक्ष्यप्राप्तिके विचार स्पष्ट झलकइछई। बुद्धके जीवन दर्शनके उदाहरण रूपमे प्रस्तुत कके लेखक ई संकेत देइत छथिन कि साधन बिना साध्य कठिने न असंभव हई। आत्मप्रकाशनके माध्यमसे व्यक्ति मानवसे महात्मा बन सकैय(अई विचारके सार्थक अभिव्यक्ति यत्र तत्र सर्वत्र मिलजाएत। रचनाके मुख्य शक्ति एकर भावप्रवणता आ प्रेरणादायी स्वर हए। शीर्षकके विराट आयाम, समग्र जीवनचक्र, प्राकृतिक, भौगोलिक, सामाजिक आओर अध्यात्मिक परिवेशके तथ्यपरक शब्दचित्र उतारेके क्रम तथा कथ्यके विस्तारमे कतिपय स्थानपर पुनरुक्ति(दोष बाध्यात्मक हए। आध्यात्मिक साधना, संकल्प आ आत्मदीप्तिके प्रेरक संदेशसे सुशोभित ई रचना प्रेरणादायी, साधनामूलक आ आत्मबोधके अनुपम साहित्यिक कृति हई।

एई रचनाके आरम्भिक खंडके मूल भाव पक्ष अत्यंत मानव(केंन्द्रित, एकेश्वरवादी आ अद्वैत(प्रेरित हए। कवि बार(बार जोर देके कहइछथिन कि, "सभे देवता, अवतार, ऋषि, राधा(सीता(द्रौपदी(दुर्गा तक ( सबके मूलमें मानव ही हए।" ईश्वर भी मानव रूपमे ही प्रकट होई छथिन। इहा भेदभाव ( जाति, देव(मानव, श्रेष्ठ(अश्रेष्ठ) के पूर्ण निषेध हई। अज्ञान ही भेद पैदा करईछई, जबकि ज्ञान/विवेकसे सब एक होजाइछई। रचना मानव जीवनके ही सबसे बडका यज्ञ, पूजा आ कर्म मानइछई। सांसारिक सुख, संतान, यश, धन आदि सबके क्षणिक बताएल गेल हई, जबकि आत्म(ज्ञान, शांति, प्रेम आ विवेकके प्रकाश के ही सच्चा सुख कहलगेल हए। दुख, चिंता, मोह, लोभ छोड्के कर्तव्य(पालन आ ईश्वर(दर्शनके ओर बढइत रहेके संदेश प्रमुख रुपसे देलगेल हए।

अध्याय दूमे संतान(प्राप्ति, वंश(रक्षा, आस्था, स्वप्न(दर्शन आ धार्मिक अनुष्ठानके माध्यमसे योग्यतम संतानके प्राप्ति आ वंश वृक्षके मजबूत आधार संगे समाज, राष्ट्र आ संस्कृतिके संरक्षण लेल सुयोग्य सन्तान आवश्यक होइछई, से बात ओई समयमें भी महत्व रखई। स्वप्न(वर्णनके चित्रात्मकता बहुत प्रबल हई( यक्ष, अप्सरा, डोली, हिमालय, फूलसे भरल आकाश, सुनहरा महल आदि दृश्यसब खुद भी जीवंत हए आ काव्यके सेहो जीवन्त कदेइहई। एई भागमे कुल मिलाके काव्य पक्षमे सादगी, भावुकता, दार्शनिक गहराईके सुंदर संतुलन देखाइछई। नौबा अध्यायके एई काव्यांशमे बालक सिद्धार्थके अद्भुत प्रतिभा आओर उज्ज्वल भविष्यके चित्रण कएल गेल हई। कविके विचारमे बालकके तेज आ क्षमता असाधारण भेंलाके कारण ऊ केवल राजा या सम्राट ही न, बल्कि महान योगी, ज्ञानी आओर विवेकशील पुरुष भी बनसकइत हए। जीवनके सार्थकता केवल सांस लेबेमे ही न, बल्कि सुकर्म, त्याग आ उच्च आदर्शोंमे होइछई। चाहे ऊ गृहस्थ जीवन अपनबइक या त्यागके मार्ग चुनइक, दुनू स्थितिमे महानता संभव हई। बालकके सामने अनेक रास्ता खुलल हई, जे ओकरा विश्वमें विशिष्ट स्थान दिला सकईछई। प्रस्तुत अंश महाकाव्यात्मक शैलीमे रचित बुद्धके काव्यांश हए, जेइमें सिद्धार्थके शिक्षाग्रहण, गुरु(परंपरा, शास्त्र(अध्ययन आ व्यक्तित्व( निर्माणके प्रक्रियाके वर्णन कएलगेल हए। काव्यमे वर्णनात्मकता आ कथात्मकताके सुंदर समन्वय हए। भाषा सरल, लोकधर्मी आ प्रवाहपूर्ण भेलासे आनन्दके अनुभूति होइहई, अइमे तत्सम एवं तद्भव शब्दके संतुलित प्रयोग देखाइदेइछई। "गुरु, पंडित, आचार्य, शास्त्र, शस्त्र, धनुर्विद्या" जइसन शब्दसबके माध्यमसे प्राचीन शिक्षापद्धति आ राजकुमार के सर्वांगीण विकासके चित्र स्पष्ट होइछई। लयात्मकतासे सराबोर भेलाके कारण पाठमे स्वाभाविक गतिशीलता बनल रहइछई। अनुप्रास आ पुनरुक्ति अलंकारके आंशिक प्रयोग काव्यके प्रभावोत्पादक बनबइछई। सिद्धार्थके विनम्र, आज्ञाकारी और तेजस्वी व्यक्तित्वके चित्रण आदर्श नायकके रूपमे कएलगेलहई। सिद्धार्थ शास्त्र आ शस्त्र दोनुमे निपुण भेलाके बाद भी अहिंसा आ करुणाके उच्च मानवीय भावनासे समयुक्त हई। समग्रत: यी अंश आदर्श चरित्र(निर्माण, गुरु(भक्ति आ ज्ञान(साधनाके परंपराके महाकाव्यात्मक गरिमाके साथ प्रस्तुत कर रहल हए। प्रस्तुत अंशमे कवि वीरता आ पौरुषके चित्रण बहुत ही अलंकारिक सौंदर्यसे विभूषित कएले छथिन। गौतमद्वारा विशाल पेंडके दूरतक फेंकके प्रसंग अतिशयोक्ति अलंकारके सुंदर उदाहरण हए, जेइसे हुनकर अद्भुत बल आ असाधारण सामर्थ्यके चित्रण होइछई। "बहुत दूर देलक फेंक" तथा "देखके लोग होगेल सन आश्चर्यचकित" जइसन अभिव्यक्ति दृश्यके सजीव आ जोसिला भी बनबइछई। मनमे विस्मयके अनुभूति सेहो जगबइछई। अनुप्रास अलंकारके आंशिक रूप "पौरुष बल देखके सब विस्मित चकित" जइसन पदमे दृष्टिगोचर होइछई। इहां शब्द( सौंदर्यके अर्थके गरिमा सेहो बढबईछई। एइमे लिच्छवि आ कोलिय वंशके निकटताके उल्लेख ऐतिहासिक संदर्भके काव्यात्मक विस्तार ज्ञान आ उमंगके प्रतीक बुझाइय। यथार्थ आ आदर्शके बीच मधुर संतुलन स्थापित होइत देखइछी। वास्तवमे ई अंश वीर रस आ अद्भुत रसके संगमके साथे अलंकारिक अभिव्यक्तिद्वारा नायकके महिमाके प्रभावशाली ढंगसे प्रतिष्ठित करइछई। बुद्ध काव्य आध्यात्मिक यात्राके एगो भावपूर्ण आ प्रतीकात्मक चित्रण भेलासे एइमे अज्ञानके भीतर छिपल अंधकार आ संज्ञान/ज्ञानके आंतरिक प्रकाशके रूपमे प्रस्तुत कएलगेल हए। मानवके आंतरिक द्वंद्व(अंधकार आ प्रकाश, अज्ञान आ ज्ञानके उजागर करइत विज्ञान आ सच्चा ज्ञानके प्राप्ति तब होइछई जब मन, वाणी आ कर्मके सुबुद्ध संयोग मिल जाइछई। कर्मके पुष्पके नाहित सुगंधित आ अदृश्य पवनमे दूर तक फैलेवाला कहल जाइछई, जे ओकर फलके व्यापकता आ शाश्वत प्रभावके देखबइछई। एई प्रसंगमे काव्यके मुख्य प्रवाह गौतम सिद्धार्थके तपस्वी बनेके, पांडव पर्वतपर कठोर साधनामे लीन होए, शिष्य बनके योगीजनके समक्ष ध्यानमे मग्न रहेके, आ अंतत: आत्म( साक्षात्कारके ओर बढेके चर्चा हए। इहा योगी/गुरु आ सिद्धार्थके संवादमे गुरु(शिष्य परंपरा, त्याग, ध्यानके शक्ति, चेतनाके शांतिके सुंदर वर्णन हए।

अंगुलीमालके क्रूर जीवन आ हिंसा चक्रके गहन रूपमे चित्रण करइत समाजमें व्याप्त डर, क्रोध आ हिंसाके दुष्चक्रके उजागर करइछई। डाकू अंगुलिमाल ९९९ हत्या कके अउरीके माला पहिरके आतंक मचाएले हए। बुद्धके करुणा आ ज्ञानसे ओकर उदय परिवर्तन होइत हिंसासे हिंसा मात्र बढके ज्ञान मिलइअ। अंगुलिमालके डरसे पूरे इलाकाके लोग भयभित रहे, ऊ क्रूर डाकू आई सन्न्यासी होगेल। समझ आ प्रेमसे मुक्तिके साथे जीवन सुदंर होइय। इहे बुद्धके शिक्षाके सार से हए। भाषा सरल परंतू गोलीनाहित प्रभावशाली हए, भावनात्मक गहिराइमे जीवके सच्चाइ भरल हए। एईमे बुद्धके महिमा आ ज्ञानके श्रेष्ठतापर केंन्द्रित भेल बुझाइय, जे बौद्ध दर्शनके गहन भावनाके अभिव्यक्ति भी हए। कवि कहइछथिन् कि बुद्ध बहुत ज्ञानी छथ, परम विद्वान भेलाके कारण ऊ ज्ञान बटइत छथिन। धनिक लोग धन बटइत छथिन।, ज्ञानसे बढके कुछ नहई। धन तुच्छ हई। ज्ञानके बिना शरीर निष्प्राण मृत्यु(सरह होइछई। विशाल हाथीके ज्ञानरुपी अंकुशसे नियंत्रित करसकइछी। सरल भाषामे रचल ई महाकाव्य ज्ञानके धनसे ऊपर रखइत, जीवनके अंधकारके प्रकाशसे भरके बात कहइछथिन।वैशाली नगरीके सुंदरता, आनंद भिक्षुके प्रसंग आ बुद्धके दर्शनके वर्णनसे सराबोर हए। रचना सरल, प्रवाहपूर्ण हए, छंदबद्ध रचना भेलासे पंक्तिके पाठमे आनंदके अनुभूति होइय। बुद्धके शिक्षाके संदेशसे लवलाव हए। बौद्ध दर्शनके गहन भावनासे ओतप्रोत आ प्रार्थनापूर्ण भावनामे रचित ई काव्य जेइमे (आनन्द भिक्षु) के माध्यमसे बुद्धके करुणा, ध्यान, पीडाके अंत आ मुक्तिके मार्ग चित्रित कएलगेल हए। जीवनके दिन पलके समान हए। आनंद ध्यानमे लीन रहितो मनमे पीडा उठइय, शरीर थकित हए, मन अस्थिर हए। बुद्धके पास शांतिके लेल आनंद जाइय। बुद्ध आनंदके समझबइत कहइछथिन, "कि शरीर जीर्ण होएत, मृत्यु आएत, लेकिन ज्ञानसे मुक्ति संभव हए।

भाषा सरल, भावुक और लयपूर्ण भावह बार(बार आनंद, बुद्ध, शांति, मुक्ति जइसन शब्द दोहरएलासे भक्ति(भाव जगइय। एई जीवनके क्षणभंगुरता आ दुखके कारण हए। आ बुद्धके वाणीसे प्राप्त शाश्वत सत्यके ज्ञान ही अप्प दीपो भवके भावके पूरा कर सकइय। एई भागमें अंतत: बौद्ध शिक्षाके सारके गायन होइय। जीवनमे मृत्युके कारण दुख होइय, ज्ञान मुक्तिके आधार होइय। काव्य भावुकता, आध्यात्मिक गहरई आ प्रेरणासे भरपूर हए। जेइसे पाठकके बुद्धके चरणमें झुकके लेल विवश कदेइय।

**आईके काहाबत** औकाद हए न लदनी भारी। बज्जिका कहाबत संकलन विश्वराज अधिकारी

# फोटो फिचर

रौतहटके कटहरियामे जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) नेपाल क्षेत्र नं. ३ के प्रतिनिधि सभा निर्वाचनके बाद समिक्षा बैठक सम्पन्न भेल हए । पूर्व मन्त्री तथा उम्मेदवार ३ गोविन्द चौधरीको प्रमुख आतिथ्यतामे सोमारके आयोजित कार्यक्रममे वडास्तरके चुनावी गतिविधि आ परिणामबारे विस्तृत समीक्षा कएलगेल रहे । फोटो:प्रदिप दास

# देवाही गोनाही नगरपालिका

नगर कार्यपालिको कार्यालय
प्रेमपुर गोनाही, रौतहट
मधेश प्रदेश नेपाल

प.सं २०८२।०८३
च.न.

मिति:२०८२।१२।११

**विषय:सेवा करारमा कर्मचारी पदपूर्ति गर्ने सम्बन्धी सुचना ।**

यस देवाही गोनाही नगरपालिकाको कार्यालय तथा अन्तर्गत सञ्चालित विभिन्न शाखाहरुमा कामकाज गर्नका लागि तपसिलका पदहरुमा करार सेवामा कर्मचारीहरु नियुक्ति गर्नुपर्ने भएकोले तोकीएको योग्यता पुगेका इच्छुक नेपाली नागरीकहरुले यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिन भित्र वा मिति २०८२।१२।२५ गते भित्र कार्यालय समयमा राजस्व तिरेको रसिद सहितको तोकीएको सम्पूर्ण कागजात संलग्न गरि दरखास्त दिनु हुन सबैको जानकारीको लागि यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

## तपसिल

| विज्ञापन नं. | पद | तहा श्रेणी | संख्या | कैफियत |
|---|---|---|---|---|
| ०१।०८२/०८३ | सूचना प्रविधि अधिकृत | छैठौं | ०१ | |
| ०२।०८२/०८३ | रोजगार संयोजक | छैठौं | ०१ | |
| ०३।०८२/०८३ | मनोसामाजिक परामर्शकर्ता | पांचौ | ०१ | महिलामात्र |
| ०४।०८२/०८३ | पोषण सहजकर्ता | चौथो | ०१ | महिलामात्र |

योग्यता

१.नेपाली नागरिक हुनुपर्ने ।
२.१८ वर्ष पुरा गरि ४० वर्ष ननाघेको ।
३.दरखास्त दस्तूर : छैठो तहको लागि रु १०००/ पांचौ तहको लागि रु ७००/ र चौथो तहको लागि रु ५००/ (नोट : दस्तुर यस नगरपालिकाको नबिल बैक देवाही गोनाही न.पा.ग.१.१ आन्तरिक राजस्व खाता नं.२२९०१०१७५००००६ राजस्व शिर्षक नं. १४२२४ । जम्मा गरि सकल भौचर संलग्न गर्ने )
४ दरखास्त बुझाउने स्थान : देवाही गोनाही नगरपालिकाको कार्यालय प्रशासन शाखा ।.
५.दरखास्त दिने अन्तिम दिन : कार्यालय बिदा भएको सो भोलीपल्ट कार्यालयको समय भित्र ।
६. परिक्षाको किसिम : लिखित र मौखिक ।
७. परिक्षाको मिति : दरखास्त दिने अन्तिम दिनको भोलिपल्ट प्रकाशन गरिने छ ।
८. अनूभवीलाई बिषेश प्राथमिकता दिने छ ।
९. सेवा सुविधा र करार अवधि : सम्झौता बमोजिम हूनेछ ।

न्युनतम शैक्षिक योग्यता

सूचना प्रविधि अधिकृत : मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाबाट कम्प्यूटर information and communication technology वा सो सरहको बिषय मध्ये कुनै एक बिषय लिइ स्नातक गरेको (BIT,BSC,IT,CSIT,BEIT,BCA,BIM,BBIS,BCIS)
रोजगार संयोजक : जुन सूकै संकायमा स्नातक तह उतिर्ण गरेको ।
मनोसामाजिक पारामर्शकर्ता : मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाबाट हेल्थ/असिटेन्ट वा स्टाफ नर्स वा विश्वविधालयबाट पब्लिक हेल्थ/नर्सिङ/मनोविज्ञान/समाजशास्त्र/सोसियल वर्कमा स्नातक तह / स्वास्थ्य शिक्षा विषयमा स्तानक तह उर्तिण भएको वा पोष्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन काउन्सेलिङ. उर्तिण भएको ।
पोषण सहजकर्ता : मान्यता प्राप्त संस्थाबाट (१०+२) उर्तिण गरेको Computer तालिम गरेको लाई प्राथमिकता दिइने छ ।

पवन कुमार केसरी
प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत

# चर्चित गीतकार बुद्धवीर लामा सर्लाहीमे उपलब्ध करएले छत ८५ थान कपडा

बज्जिकाञ्चल संवाददाता,
रौतहट,१० गते चइत ।

नेपालीके चर्चित गीतकार बुद्धवीर लामा सर्लाहीमे ८५ थान कपडा उलपब्ध करएले छथिन । ख्याति प्राप्त प्रशासक तथा विशिष्ट गीतकार आ संगीतकारसमेत रहल लामा सर्लाहीके एगो विद्यालयके शिक्षक आ विद्यार्थीके सुती कपडा उपलब्ध करएले छथिन । सर्लाहीके गोडैता नगरपालिका ३ सिमरा भगवतीपुरमे रहल सामुदायिक प्राथमिक विद्यालयमे अध्ययनरत गरिब जेहेन्दार विद्यार्थी आ शिक्षक कर्मचार ीसमेतके ८५ थान सुती कपडा उपलब्ध करएले छथिन । कपडा वितरण कार्यक्रमके प्रमुख अतिथि बज्जिका साहित्य समाज सर्लाहीके अध्यक्ष रामचन्द्र महतो कुशवाहा सम्पूर्ण सामग्री हस्तान्तरण कएले छथिन । कार्यक्रममे वडाध्यक्ष श्रीविजय प्रसाद

यादवके अध्यक्षतामे सम्पन्न भेल र ाजिनन्द महतो जानकारी करएले छत ।पदार्थ उत्खननके लेल ठेक्का कएलन भि सम्झौता होसकल नहए । ठेकेदार साकार रकम दाखिला करके सकल आ जलदि सम्झौता करेके अधिकृत खड्का बतएले हए । चाादी खोलाके लेल एम आर कन्स्टूक्सन बरहथवा, सर्लाही एक करोड ४९ लाख अठ्चालिस हजारमे ठेक्का साकार कएले हए । कहलन बागमतीके लेल स्काई लाइन कन्स्टूक्सन ललितपुर( १४ एक करोड ६० लाखमे ठेक्का साकार कएले हए । गोरखा पत्रहमर काममे इमान्दारी हए । अनलिमिटेडु से सुरु भल हए ।

रौतहटके कटहरियामे चैते दशइके बेल नेवतनके बेर लेलगेल दृश्य हए । इहा हरेक चइत महिनामे भि दुर्गा पुजा होते आर हल हए । फोटो:सामाजिक संजाल

# बृन्दावन नगरपालिका बेरोजगार सूचीकृत होएला कएले हए सूचना जारी

प्रदिप दास,
रौतहट,१० गते चइत ।

रौतहट जिल्लाके बृन्दावन नगरपालिका आगामी आर्थिक वर्ष २०८३/८४ मे सञ्चालन होए बाला विभिन्न रोजगार मूलक कार्यक्रमसब मे सहभागी करावेके उद्देश्यसे बेरोजगार व्यक्तिसब के तथ्यांक संकलन प्रक्रिया सुरु कएले हए । एकरा लेल नगरपालिका एक सूचना जारी कर ईत इच्छुक नागरिकसब के बेरोजगार सूचीमे सूचीकृत होएला आह्वान कएले हए ।

नगर कार्यपालिकाके कार्यालय (रोजगार सेवा केन्द्र), बिश्रामपुरद्वारा प्रकाशित सूचनामे उल्लेख भेल अनुसार स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, रोजगार ीके हक सम्बन्धी ऐन, २०७५ तथा र ाष्ट्रिय रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम ( सञ्चालन आ व्यवस्थापन) निर्देशिका, २०८२ बमोजिम बेरोजगार व्यक्तिसबके सूची तयार करे बाला भेल हए ।

सूचनाअनुसार १८ वर्ष पूरा भेल आ ५९ वर्ष निचाके , अभि बेरोजगार रहल व्यक्तिसब अपने स्थायी बसोबास कएले सम्बन्धित वाड कार्यालयमे आवश्यक कागजातसहित चैत महिना भितर निवेदन देबेके हए। येइसे सूचीकृत भेल व्यक्तिसब के संघीय, प्रदेश आ स्थानीय तहसे

सञ्चालन होए बाला विभिन्न र ोजगार आ आयआर्जन कार्यक्रमसब मे प्राथमिकताके साथ सहभागी कराबे बाला हए ।

नगरपालिका आवश्यक कागजातके रूपमे नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्रके प्रतिलिपि, सीपमूलक तालिम लेले भेल ओकर प्रमाण, परिवारके सदस्यसब के नागरिकता वा जन्मदर्ता प्रमाणपत्र आ बसाइसराइ सम्बन्धित प्रमाणपत्र पेश करे के जनाबल गेल हए ।

नगरपालिका "शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन र रोजगार: बृन्दावन नगर पालिकाको समृद्धिको आधार" जैसे नारासहित नागरिकके रोजगारीके अवसरसंघे जोडेके लक्ष्य लेले जनाबल गेल हए ।

नगरपालिकाको समृद्धिको आधार" जैसे नारासहित नागरिकके रोजगार ीके अवसरसंघे जोडेके लक्ष्य लेले जनाबल गेल हए ।

# फतुवा विजयपुर नगरपालिकामे गणकके लेल आवेदन खुला, ११ जना आवश्यक

आरएन पटेल,
रौतहट, चईत १० गते ।

रौतहटके फतुवा विजयपुर नगरपालिका गरिब घरपरिवार पहिचानसम्बन्धी तथ्याक्त सक्तलन कार्य सञ्चालन करेला गणक पदमे ११ जना जनशक्ति आवश्यक रहल कहके पहिगला बेर सूचना प्रकाशित कएले हए।

नगर कार्यपालिकाके कार्यालय लक्ष्मीनियाद्वारा जारी सूचनाअनुसार योग्य आ इच्छुक स्थानीय नेपाली नागरिकसब से दरखास्त आह्वान कएले हए । प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत मदन कुमार थापा सोमबार सूचना सार्वजनिक करइत् आवश्यक योग्यता पुगल उम्मेदवारके समय मे हि आवेदन देबेला आग्रह कएले हए । सूचना मे उल्लेख भेल अनुसार आवेदक सब मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्था से कम्तिमे १२ कक्षा या सो सरह पास भेल आ कम्प्युटर सो ं टवेअर चलाबे बल ,मोबाईल चलाबे बाला आ नेपाली युनिकोड मे टाईप करे जाने बाला होएके कहल गेल हए। सम्बन्धित स्थानीय तहमे स्थायी बसोवास भेल व्यक्तिके विशेष

प्राथमिकता रहल आ साथे येसे पहिले तथ्यांक संकलन काम कएले उम्मेदवार सब के थप प्राथमिकता प्रदान होएके जानकारी देल गेल हए।

दरखास्त देबेके अन्तिम मिति २०८२ चैत २३ गते कार्यालय समय भितर रहल हए । उक्त दिन सार्वजनिक बिदा परल के बाद बिहान खुनी आवेदनदे सके के जनाबल गेल हए । चयन प्रक्रिया अन्तर्गत प्रयोगात्मक परीक्षा आ अन्तर्वार्ता लिई त तलब आ अन्य सुविधा प्रचलित नियमअनुसार उपलब्ध कराबे बाला हए। आवेदन देबेला इच्छुक उम्मेदवार सब नेपाली नागरिकता, शैक्षिक योग्यता, कार्य अनुभव प्रमाणपत्रके प्रतिलिपि आ दु प्रति पासपोर्ट साइज फोटो पेश करेके परि। दरखास्त फार म नगरपालिकाके सूचना आ प्रविधि शाखासे प्राप्त करेके आ

नगरपालिका म्याद नाघके आएल आबेदन सबके छनोट प्रक्रियामे समावेश नकरेके स्पष्ट कएले हए ।

# श्री माध्यमिक विद्यालय

नयाँ गम्हरिया श्रीपुर, रौतहट

SHREE SECONDARY SCHOOL

Naya Gamhariya Shreepur, Rautahat

पत्र संख्या (Letter No): मिति (Date):२०८२।१२।०९

चलानी नं. (Ref No):

प्राप्त पत्र संख्या र मिति:

**विषय(Subject):पोखरीको ठेक्का वन्दोवस्त सम्बन्धी सूचना**

उपर्युक्त विषयमा २०८२।१२।०८ गतेको बैठकको निर्णयनुसार यस विधालयको नाउँमा कायम रहेको गा.वि.स.रघुनाथपुर वार्ड नम्बर ८ कि.न.४१३ क्षेत्रफल ७-१४-१०(सात बिघा चौध कठा दस धुर ) को नयाँ ठेक्का बन्दोवस्त मिति २०८३ वैशाख देखि २०८७ चैत मसान्त सम्म अर्थात ५ वर्ष का लागि खुल्ला डांक बढाबढ बोलकबोल प्रकिया द्वारा इच्छुक ठेकेदारहरु बाट ठेक्का साकार गर्नका लागि यही मिति २०८२।१२।२३ गते सोमबारका दिन बिहान ११ बजे यस विधालयको प्रांगनमा उपस्थित भइ ठेक्का साकार गर्न यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ । साथै ठेक्का साकारका शर्तहरु देहाय अनुसार रहेका छन् ।

## व्यक्ती वा संस्थाले ठेक्का सकारका लागि आवश्यक शर्तहरु

१.डांक बढाबढ हुने मिति २०८२।१२।२३ गते सोमबार
२.डांक बढाबढ हुने स्थान:श्री मावि नयां गम्हरिया श्रीपुर
३.डांक बढाबढ हुने समय बिहान ११ देखि ३ बजे सम्म ।
४.ठेक्का खुला डांक बढाबढ प्रक्रिया बाट हुनेछ ।
५.ठेक्का साकार गर्ने व्यक्ती नेपाली नागरिक हुनुपर्नेछ ।
६.सबैभन्दा बढी रकममा साकार गर्ने ठेकेदारले मात्र भोगाधिकार पटापत्र लिन पाउने छन् ।
७.प्रथम स्थानको ठेकेदारले सात (७) दिन भित्र पहिलो किस्ताको रकम जम्मा गरी भोग चलन पत्र लिनुपर्ने तथा पहिलो स्थानको ठेकेदार ७ दिन भित्र भोगपटापत्र नलिएमा डिपोजिट रकम जफत गरी दोस्रो स्थानमा रहेको ठेकेदारले भोगपटापत्र लिने मौका पाउने छ ।
८.साकार गरेको कूल रकमलाइ १० (दस) किस्तामा विभाजन गरिनेछ ।
९.प्रत्येक वर्षको दुइपटक वैशाख र असोज मसान्त भित्र किस्ता रकम तिर्नुपर्ने छ ।
१०.ठेक्का साकार गरि भोगपटापत्र लिएको ठेकेदारले समयमा समयमा रकम नतिरे सरकारी ब्याजका दरले जरि वाना तिर्नुपर्ने छ वा विधालयले आवश्यक प्रक्रिया अपनाइ ठेक्का रद्ध गरि पुन:नयाँ ठेक्का वन्दोवस्त समेत गर्न सकिने छ ।
११.साकार गरेको कुल रकम बराबरको अचल सम्पती विधालयको नाउँमा मालपोत कार्यालयमा दृष्टि बन्धक गर्नुपर्नेछ । अन्यथा भोग चलनपटापत्र दिइने छैन् ।
१२.विधालयको बांकी बक्यौता कसैको जिम्मा रहेका देखिए ठेक्का साकार बोलकबोलमा सहभागी गराइने छैन् ।
१३.विधालयको तर्फबाट सुरु बोलकबोल रकम ८८,२७,५००।-(अठासी लाख सताइस हजार पांच सय मात्र) को १०% प्रतिशतले ८,८२,७५०।-(आठ लाख बयासी हजार सात सय पचास मात्र) यस विधालयको रा.बा.बैंकको खाता च.हि.नं. १२१०१०००००५०९००१ मा २०८२।१२।१३ गते अर्थात् डांक बढाबढ पूर्व जम्मा गरी भौचर विधालयमा पेश गर्नुपर्ने । बोलकबोलको क्रममा अपुग रकम नगदै जम्मा गरि बढाबढ गर्न सकिनेछ ।
१४.डांक बढाबढको अन्तर २५,०००।- देखि ५०,०००।- हजार सम्म हुनेछ ।
१५.साकार गरेको सम्पूर्ण रकम एक मुष्ठ बुझाएमा १०% प्रतिशत रकम छुट दिइ अन्ति किस्तामा मिनहा गरिने छ ।
१६.डांक बढाबढ कम्तीमा ३ वा ३ भन्दा बढि व्यक्ती वा संघसंस्था बिच प्रतिस्पर्धा हुनेछ ।
१७.पोखरिको डिल आंट मर्मत गर्नुपरेमा स्वम् ठेकेदारले नै आफनो खर्चमा गर्नुपर्नेछ ।

सम्पर्क नम्बर रामअधार पासवान ९८५५०४२७७९ वा ९००६८३७५४२ र रामबाबु चौधरी ९८११८०३१७८

रामअधार पासवान
प्रधानाध्यापक

# विश्व क्षयरोग दिवसके अवसरमे रौतहटके विभिन्न पालिकामे जनचेतनामूलक कार्यक्रम सम्पन्न

आरएन पटेल,
रौतहट, चैत १० गते ।

विश्व क्षयरोग दिवसके अवसरमे मंगलबार फतुवा विजयपुर नगर पालिका आ कटहरिया नगरपालिकामे विभिन्न जनचेतनामूलक कार्यक्रमसब सम्पन्न भेल हए । ( "हो हामी क्षयरोग अन्त्य गर्छौं, राष्ट्रिय अभियान हाम्रो योगदान") नाराके साथ कार्यक्रमसब आयोजना कएले हए ।

फतुवा विजयपुर नगरपालिका स्वास्थ्य शाखाके आयोजनामे सम्पन्न कार्यक्रममे स्वास्थ्य शाखा प्रमुख प्रमोद प्रसाद गुप्ता क्षयरोग (टीबी) सम्बन्धी विस्तृत जानकारी देइत रोगसे बचेके उपयसबके बारेमे स्पष्ट कएले छत। हुन् समयमे हि पहिचान, नियमित औषधि सेवन आ जनचेतनाके अभाव हटा सकलापर क्षयरोग नियन्त्रण सम्भव रहल बतएले छत ।

कार्यक्रममे स्वस्थ्य सह(संयोजक रमेश प्रसाद यादव "राष्ट्रिय अभियान, हाम्रो योगदान" नाराके आत्मसात कर ईत क्षयरोग अन्त्यके लेल सभी नागरिक जिम्मेवार भूमिका निर्वाह करेके आवश्यकता हए कहलन । हुन् समुदायस्तर मे हि सचेतना अभिवृद्धि करेके परल मे जोड देले छत । येइसहि , विश्व क्षयरोग दिवसके हि अवसरमे कटहरिया नगरपालिका स्वास्थ्य शाखा भी विशेष कार्यक्रम आयोजना करके दिवस मनएले हए। स्वास्थ्य संयोजक दिनेश प्रसाद यादव नगरपालिकाके प्रांगणमे आयोजित कार्यक्रममे क्षयर ोग सम्बन्धी जनचेतनामूलक सन्देशसब प्रवाह करईत रोगके समय मे हि परीक्षण आ उपचारमे जोड देले छत ।कार्यक्रमसब मे स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्यकर्मी आ सर्वसाधारणके उल्लेखनीय सहभागिता रहल रहे । येइसन कार्यक्रमसब से क्षयरोग विरुद्धके अभियानके थप प्रभावकारी बनाबेके

विश्वास व्यक्त कएले छत । फतुवा विजयपुरमे भेल कार्यक्रममे योजना शाखा प्रमुख सुधिर यादव,आइटि शाखा प्रमुख हंशराज यादव सहितके कर्मचारीसब सहभागी रहल रहलन।

सहभागिता रहल रहे । येइसन कार्यक्रमसब से क्षयरोग विरुद्धके अभियानके थप प्रभावकारी बनाबेके विश्वास व्यक्त कएले छत । फतुवा विजयपुरमे भेल कार्यक्रममे योजना शाखा प्रमुख सुधिर यादव,आइटि शाखा प्रमुख हंशराज यादव सहितके कर्मचारीसब सहभागी रहल रहलन।

समाजिक सञ्जालके दुरूपयोग नकरू । बज्जिकाञ्चल दैनिक द्वारा जनहितमे जारी सन्देश ।